मैथिली संस्करण

वित्तीय शिक्षा श्रृंखला

आधारभूत बैंकिग

अंक – 1

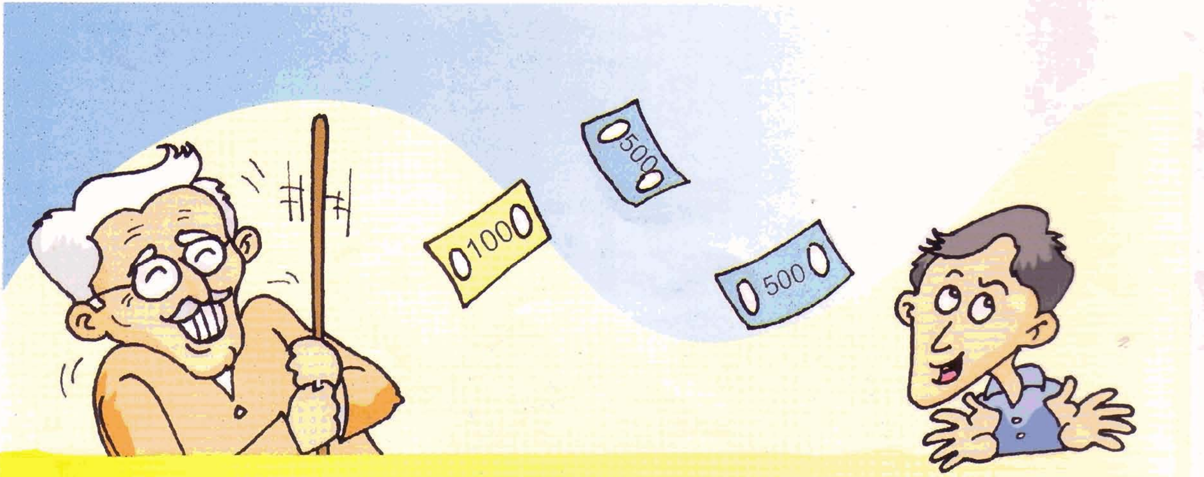
राजू आ' टाकाक गाछ



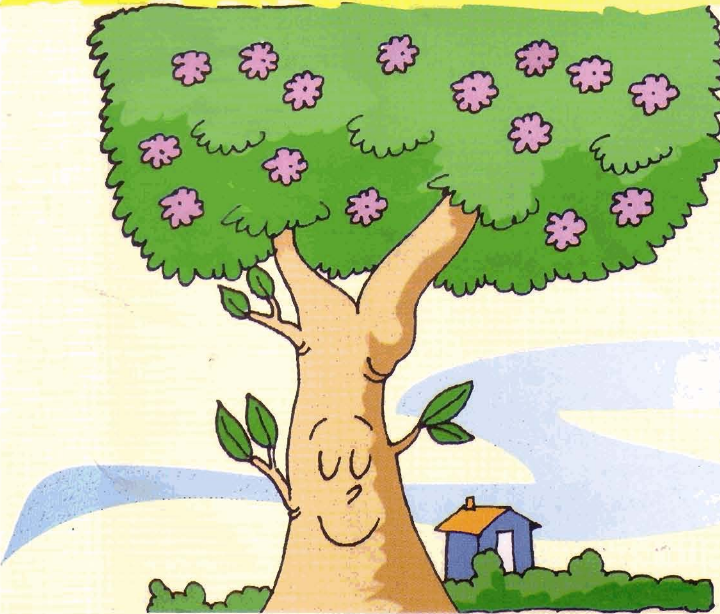
भारतीय रिज़र्व बैंक

RESERVE BANK OF INDIA

www.rbi.org.in



राजूक उत्साहपूर्ण अभियानक माध्यमसँ ई कॉमिक हमरा सभकेँ बैंकिंग आदतिक महत्त्वसँ परिचित करबैत अछि आ' ई बुझबैत अछि जे बैंकमे पाइ राखब कतेक सुरक्षित आ' लाभकारी अछि। राजूक एहि उत्साहपूर्ण अभियानक कथा www.rbi.org.in/financialeducation पर सेहो उपलब्ध अछि।



ई कॉमिक बेचबा लेल नहि, बिना दामक बंटबा लेल अछि ।

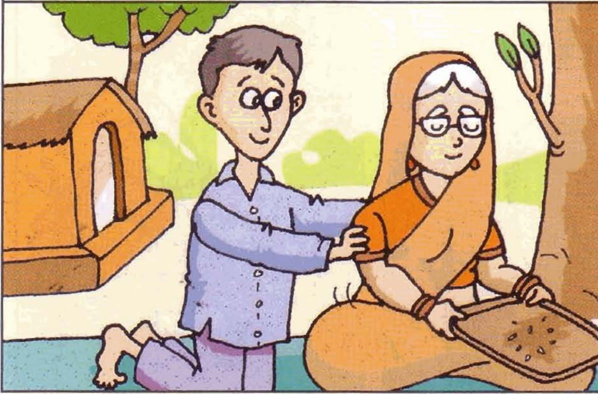
मूल हिंदी संस्करण भारतीय रिज़र्व बैंक, नई दिल्ली सँ जुलाई 2007 मे पहिल बेर प्रकाशित ।
मैथिली संस्करण 2008 मे पहिल बेर प्रकाशित । विशेष जनतब लेल अथवा पुस्तिका मंगेबाक लेल लिखी वा फोन करी :

भारतीय रिज़र्व बैंक
दक्षिण गाँधी मैदान
पटना - ८००००१
फोन - ०६१२ - २३२२५८७
ई-मेल - generalpatna@rbi.org.in, helppatna@rbi.org.in

राजू आ’ टाकाक गाछ



राजू अपन माइक संग एक छोट सन गाममे रहैत छल ।



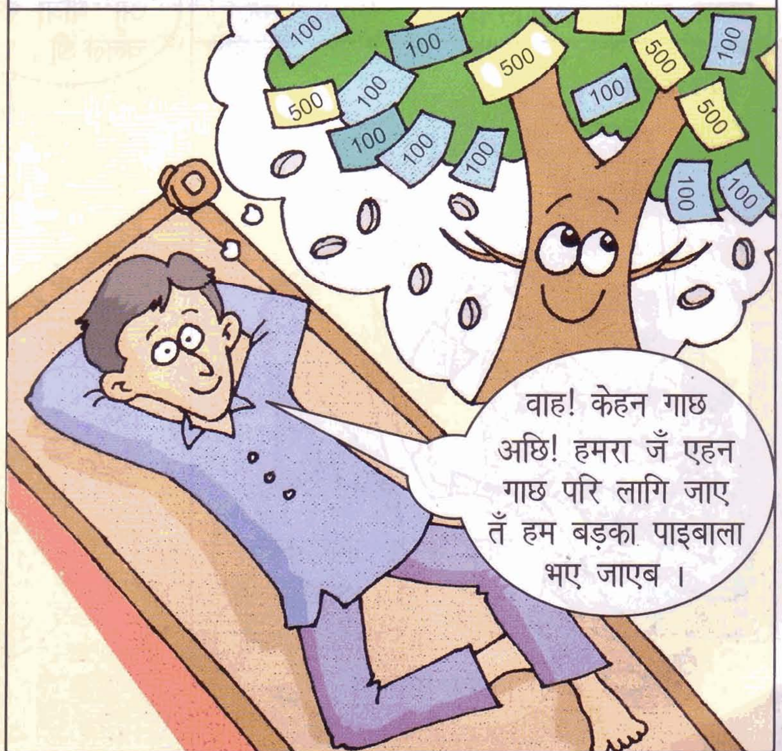
राजू बड़ आलसी छल । ओ अपन सभटा समय सुतबामे आ’ पाइबाला बनबाक सपना देखबामे बिता लैत छल ।

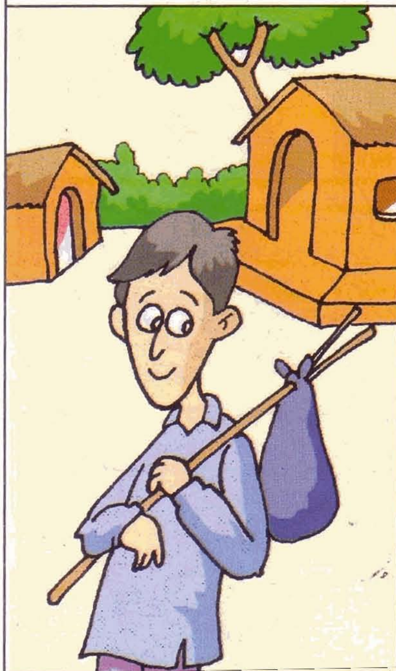


ओकर माइ दिन-राति खटि कोनहुँ-ना दूनू साँझक बुतातक जोगार कए पबैत छलि ।



एक दिन राजू एकटा एहन गाछक सपना देखलक जाहिमे पाइ फड़ैत छैक।



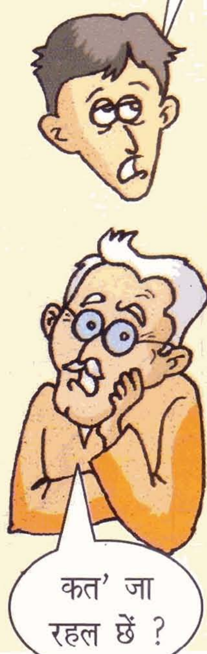

ओ तुरन्त पाइबाला गाछ तकबा लेल घरसँ बिदा भए गेल ।


ओ भूख पियास बिसरि दिन -


राति चलैत रहल --

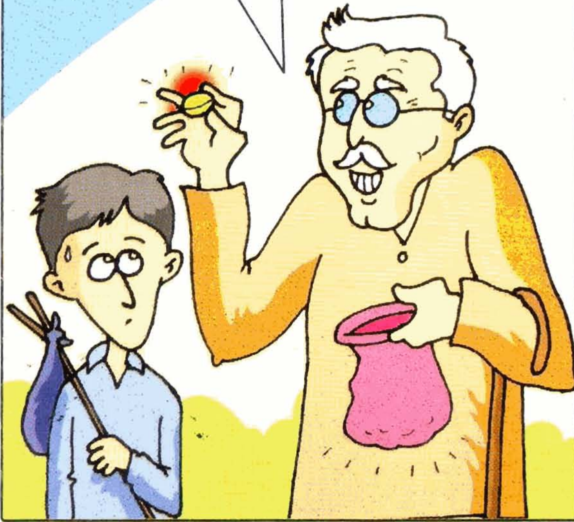

एक दिन ओ एक गाछ तर सुस्तेबा ले ओङठल कि आने दिन जकाँ लगले निन भए गेलैक ।

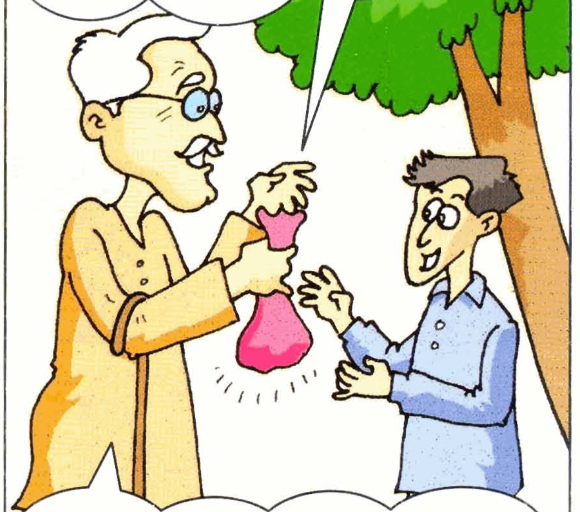

एकबैक एक टा बूढ़ा जे ओकरा दिस ताकि रहल छलाह, राजूकेँ उठौलनि ।
अपने के छी ?
लोक हमरा गोपी कक्का कहैत अछि । मुदा तोँ के छें ? आ' एतेक थाकल कियेक लगैत छें ?

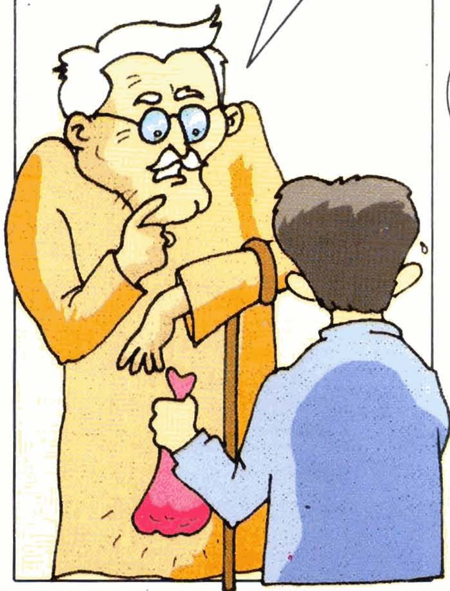

हम राजू छी आ' यात्रा पर चलल छी ।
कत' जा रहल छें ?


हम एक ओहन गाछ तकबा लेल चलल छी जाहिमे पाइ फड़ैत छैक ।
की ? केओ एतेक मूर्ख कोना भए सकैत अछि?

मुदा राजू बेहाल छल। तहिखन ओ बूढ़ा राजू लेल किछु करबाक निर्णय कएलनि ।

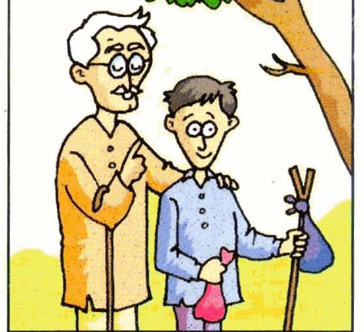






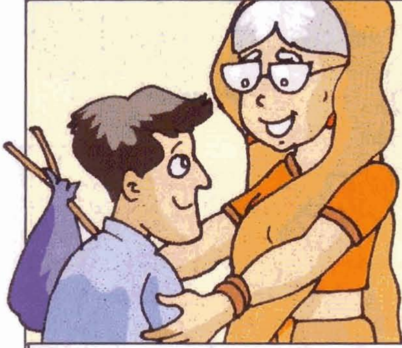
राजू बड़ उत्साहित भए गेल । राजूकेँ भैलेक जे निश्चिते ई बूढ़ कोनो देवदूत छथि जे हमरा पाइ फड़ैबाला गाछ तकबामे मदति कएलनि ।



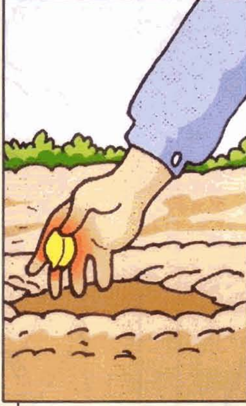


राजू ओहि बूढाकेँ बाट देखेबा लेल धन्यवाद देलक आ' अपन गाम बिदा भए गेल ।

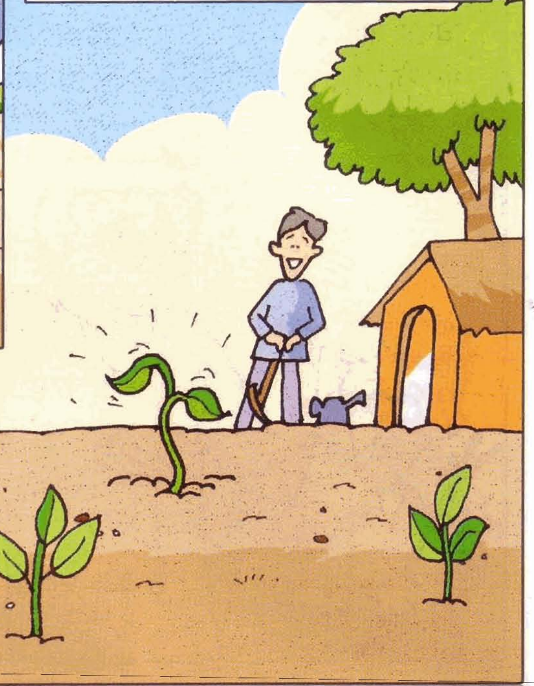
राजूक माइ बेटाकेँ देखि बहुत प्रसन्न भेलि ।



तकर बाद ओ बीआ टोभलक ।



जल्दिए ओहिमे अंकुर होअय लागल । ओ सभ दिन ओहिमे पानि पटाबय आ' दिन-राति पहरा करय ।

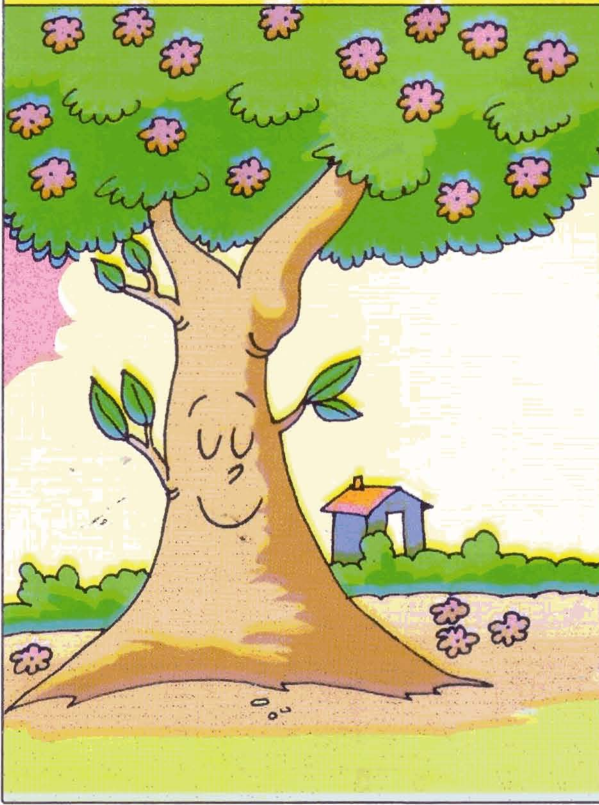


मुदा, राजू आब बदलि गेल छल । ओ सोझे अपन गाछी गेल । सभ जंगली गाछ आ' झाड़कँ उखाड़ि फेंकलक ।

एक वर्ष बीति गेलैक । पौधासँ गाछ भेल । मुदा पाइक नामोनिशान नहि छलैक । राजू बहुत दुखी भए गेल ।

ओ बूढ़ा हमरा ठकि कोना सकैत छथि ? लगैये जेना हमर सभटा मेहनति पानिमे चल गेल । एहि गाछमे तँ खाली पाते-पात छैक । पाइ कहाँ कतौ छैक ?

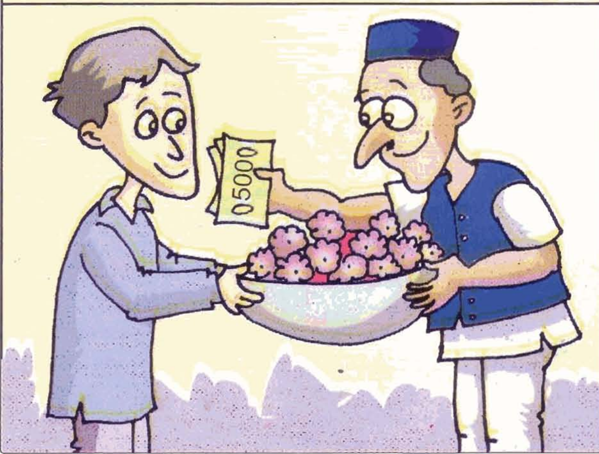
जल्दिए समय बदलल । गाछमे फूल भेलैक । राजू एहन फूल कहिओ ने देखने छल । ओकर महमही दूर-दूर धरि पसरए लागल ।



सौंसे गाममे राजूक फूलक चर्चा छल ।



गामक एक बेपारी राजूक फूल शहरमे बेचए चाहैत छल । ओ किछु फूल किनलक आ राजूकेँ नीक दाम देलकैक ।

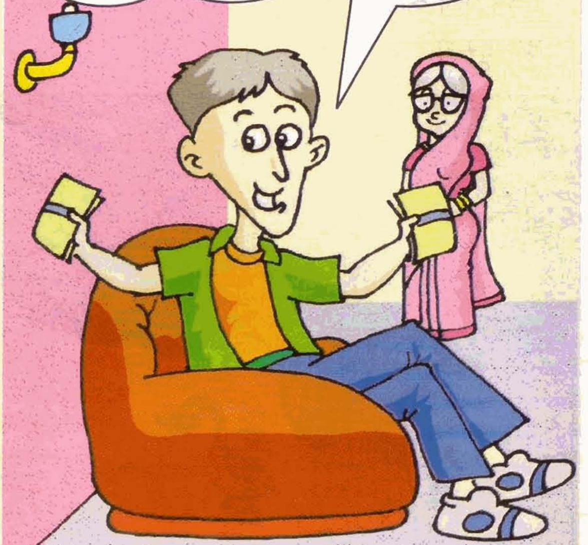


बाँचल फूल फल भेल । बेपारी नीक दाम दए फल सेहो कीनि लेलक ।



राजू रातारातति पाइबाला भए गेल। तखन ओकरा ओ बूढ़ा मोन पड़लथिन।





ओ अपन पुरान घरक मरम्मति करौलक। अपना आ' माइक लेल नव कपड़ा किनलक।

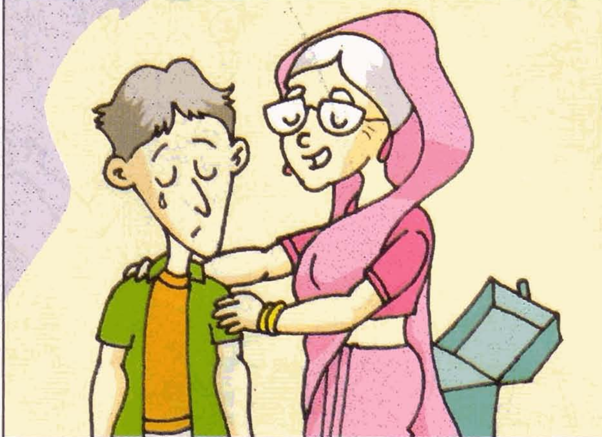
तैओ, बहुत पाइ औखन बँचि गेल छलैक। राजू तकरा भविष्य लेल जोगा कए रखबाक निर्णय कएलक। ओहि टाकाके एक बक्सामे बन्द कए घरमे राखि देलक।



परंच, एक टा दुर्घटना भए गेलैक। ओकर सभटा नोट मूस काटि-खोंटि देलकैक।



राजू बहुत उदास भए गेल । राजूक लटकल मुह आ' परेशानी देखि माइ ओकरा ढ़ाढ़स देबाक प्रयास कएलक ।



माइक विचार भेलैक जे ओ ओहि बूढ़ासँ भेंट करबाक्र चेष्टा करए । भए सकैछ जे ओ राजूक कोनो मदति करथिन ।

संयोगवश, दोसरे दिन ओ बूढ़ राजूक गाम आबि गेलाह ।



राजू विस्तारसँ सभ किछु कहलकनि....... कोना बीआसँ गाछ बनल....कोना गाछमे फूल भेलैक आ' कोना तकरा बेचि ओ पाइ कमाएल...कोना ओ पाइ बचा कए भविष्य लेल बक्सामे रखलक आ' कोना मूस सभटा नोट काटि-खोंटि देल कैक ।

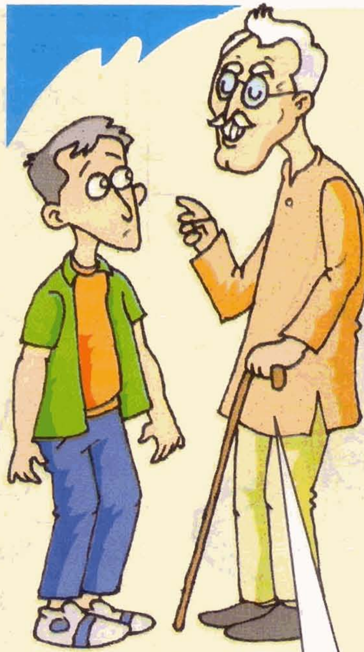
बूढ़ा भभा कए हँसय लगलाह । राजूकेँ अजगूत लगलैक ।





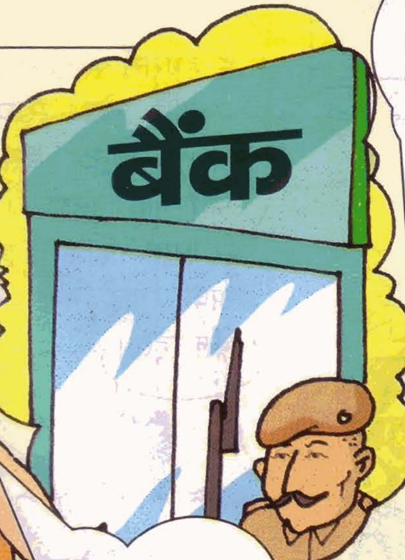


मुदा हम आर कइये की सकैत छलहुँ ? हमरा अपन सभटा पाइ रखबाक आन कोनो सुरक्षित जगहो तँ नहि अछि।

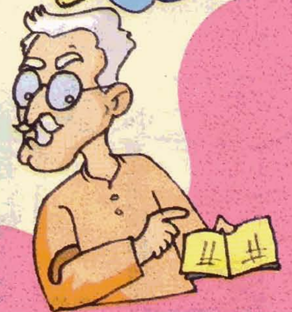




बैंक ओ जगह थिक जतय तोँ अपन कमाइ सुरक्षित राखि सकैत छें। बैंक, बूझि ले ओ तोहर चुकड़ी थिकौक जाहिमे तोँ पाइ खसबैत छें।



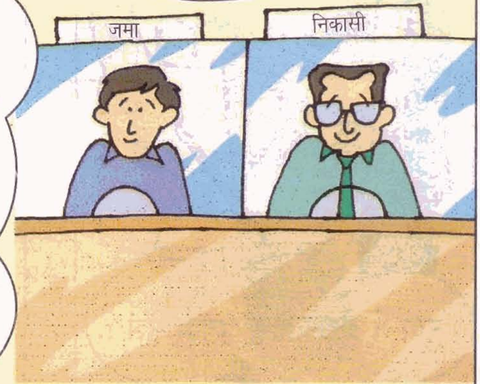
सभकेँ एकटा किताब देल जाइत छैक जाहिसँ पता चलैत छैक जे बैंकमे ककर कतेक पाइ जमा अछि।




अपना देशमे बहुत रास बैंक अछि । एहने एकटा बैंक तोहर गामक लग अछि । तोँ ओकरा विषयमे खोज किएक नहि करै छें । ओ स्कूलक लगे मे छैक।

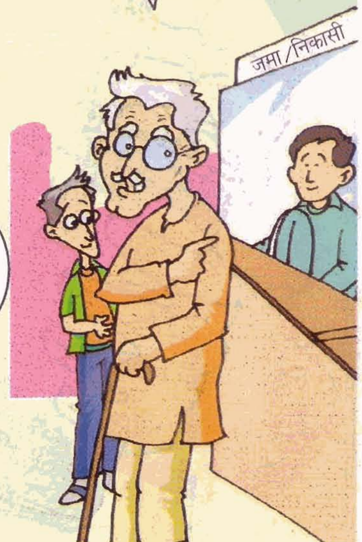
ओ ! पीरा रंगक मकान ? की ओएह थिकैक बैंक ? हम कतेको बेर ओकरा बाहरसँ तँ देखने छी मुदा, हम सोचितहिँ रहलहुँ जे ओतय की होइ छैक ?

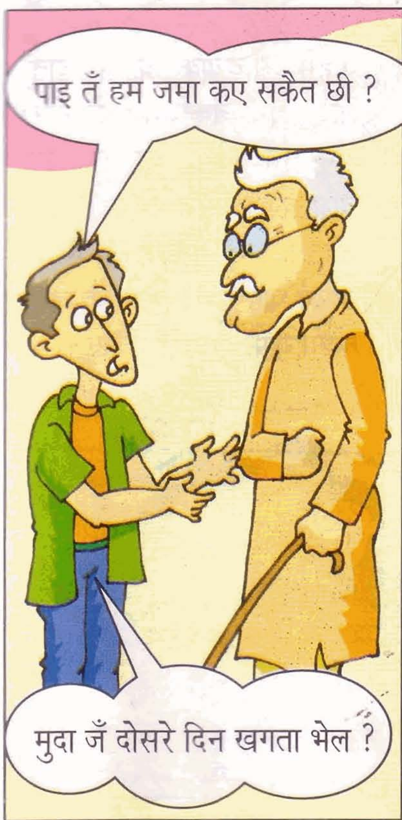
एहिमे सोचबाक कोनो बात नहि । बैंकमे हमरे-तोरे सन-सन लोक काउंटर पर बैसि काज करैत अछि । तोँ ओतय जाए पूछि सकैत छें जे अपन पाइ सुरक्षित रखबा लेल कोना जमा कराओल जाए ।


जमा
निकासी

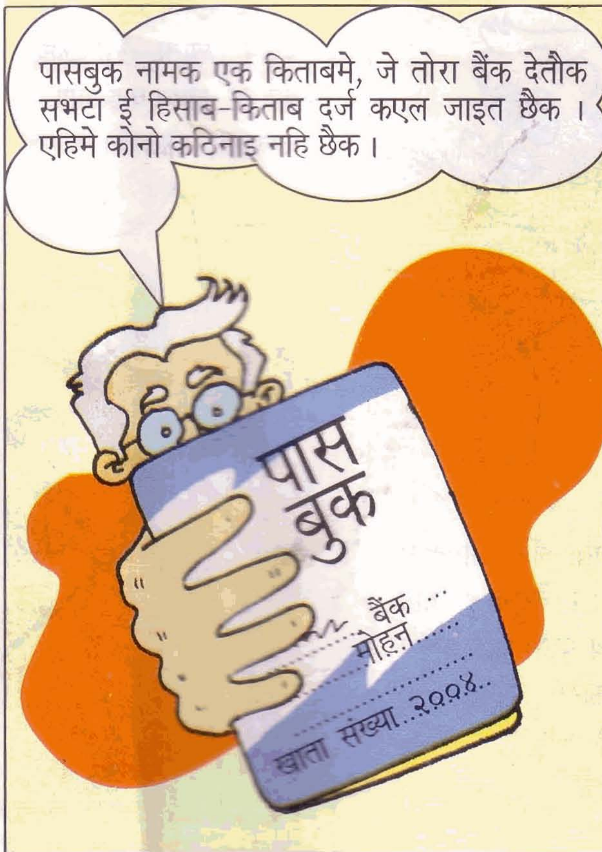

ओ बैंकमे खाता खोलबा लेल सभ किछु तोरा बुझा देथुन । बैंकमे एकटा रजिस्टर होइत अछि जकरा खाता कहै छै । एहि रजिस्टरमे पाइ जमा कएनिहारक नाम लिखल जाइत छैक जाहिसँ बुझा जाइत छैक जे बैंकमे ककर कतेक पाइ राखल अछि ।


अपनेक सहायता लेल।
खाता खोलबा लेल ओ तोरा एकटा फारम देथुन । यदि तोरा लिखय पढ़य नहि अबैत छौक तँ फारम भरबामे ओ तोहर मदति करथुन ।


बैंकमे खाता खोललाक बाद तोँ अपन पाइ ओहिमे जमा कए सकैत छें ।
जमा/निकासी

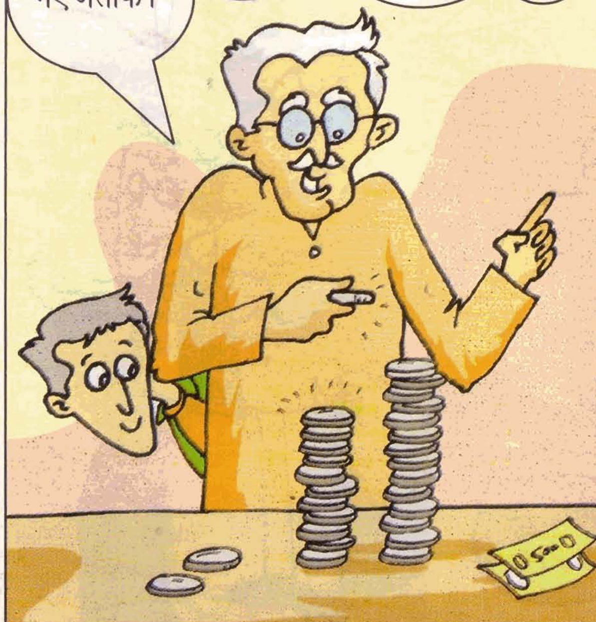

पाइ तँ हम जमा कए सकैत छी ?
मुदा जँ दोसरे दिन खगता भेल ?


तँ दोसर दिन बैंक जा कए तोँ अपन पाइ बाहर कए सकै छें। तोँ जतेक पाइ जमा करबें अथवा निकालबें तकर सभटा हिसाब-किताब बैंकमे रहैत छैक जाहिसँ तोँ ई जानि सकै छें जे खातामे तोहर कतेक पाइ जमा छौक।

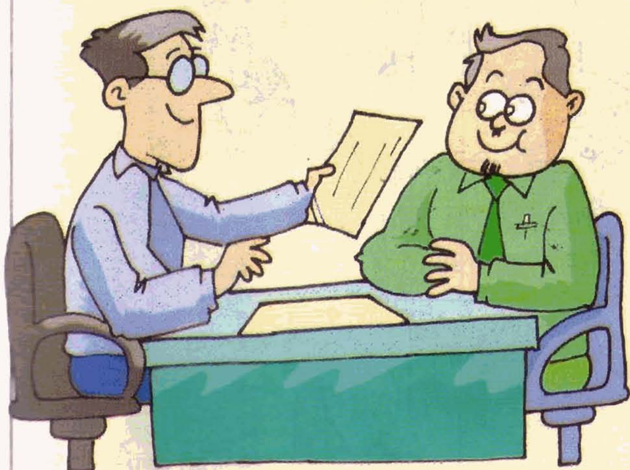

पासबुक नामक एक किताबमे, जे तोरा बैंक देतौक सभटा ई हिसाब-किताब दर्ज कएल जाइत छैक। एहिमे कोनो कठिनाइ नहि छैक।
पास बुक
बैंक ...
मोहन....
खाता संख्या..२००४..


मुदा, हमरा बुझा दिअ जे बैंकमे पाइ राखब कतेक सुरक्षित छैक। जँ बैंकबाला दोसरे दिन गामसँ भागि जाए, तखन की हेतैक ?

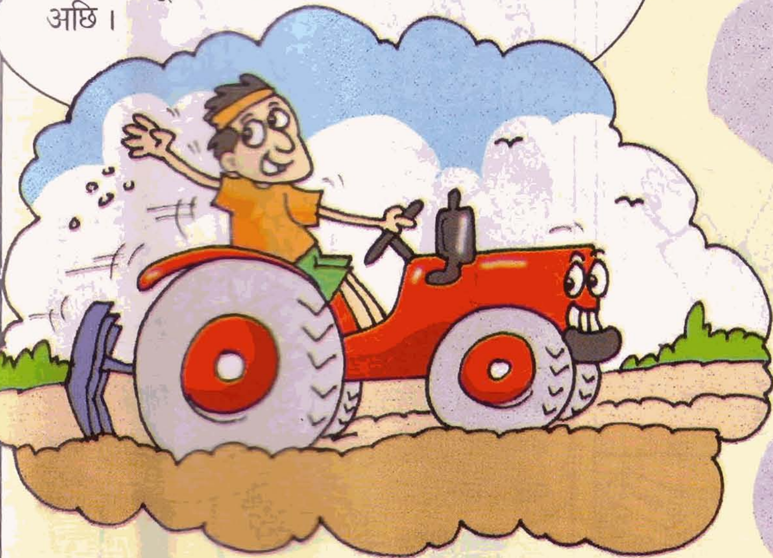

बैंक खाता बड़ सुरक्षित होइत अछि । सरकारी संस्था बैंक चलौनिहार पर बरोबरि नजरि रखैत अछि ।
ए बी सी बैंक
लाभ ? की की लाभ ?
तैं राति भरिमे पाइ गायब नहि भए सकै छौक । अपितु, बैंकमे पाइ रखबामे बहुत लाभ छैक ।


बैंकमे तोहर पाइ ओहिना पड़ल नहि रहैछ । तोरा ओहि पर सूदि भेटैत छौक । एहि तरहें तोहर पाइ बढ़ैत रहैत छौक । किछु दिन बाद तोहर खातामे आओरी बेसी पाइ भए जेतौक ।


बैंक ई सभ कोना करैत अछि ? की बैंककेँ एहन कोनो गाछ भेटि गेल छैक । जाहिमे सरिपहुँ पाइ फड़ैत छैक ?

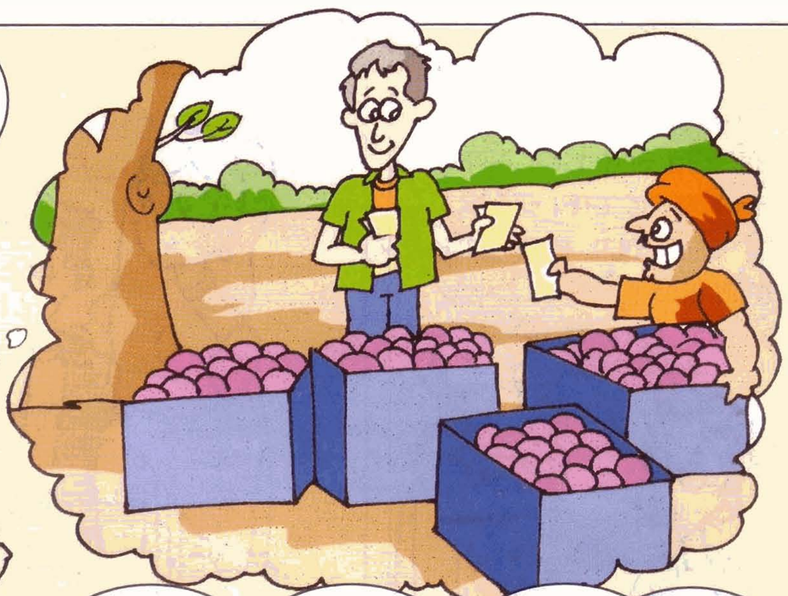

ई बूझब बड़ सोझ छैक । हम सभ जे पाइ बैंकमे जमा करैत छी तकरा ओ एहन व्यक्तिकेँ ऋण स्वरूप दैत छैक जकरा किछु किनबाक अथवा कोनो व्यवसाय करबाक लेल टाकाक प्रयोजन रहैछ । बैंक ऋण पर सूदि लैत छैक ।


बैंक सूदिक किछु पाइ अपने रखैत अछि आ' किछु तोरा सभकेँ दए दैत छौक । एहि तरहेँ बैंकमे राखल तोहर जमा कमाइ पर ओ किछु कमाइत रहैत अछि ।


ई तँ बड़ नीक बात । एहि तरहेँ हमर टाका बैंकमे सुरक्षितो रहैत अछि आ' ओहि पर हम सूदि सेहो कमा सकैत छी । आब हमरा एकटा आर बात फरिछा दिअ । एमहर हम सुनलहुँ अछि जे हमर दोस्त श्यामू ट्रैक्टर किनबाक लेल बैंकसँ ऋण लेलक अछि ।


की हमहूँ ऋण लए सकै छी ?

हँ, तोँ अवश्य से लए सकैत छेँ।

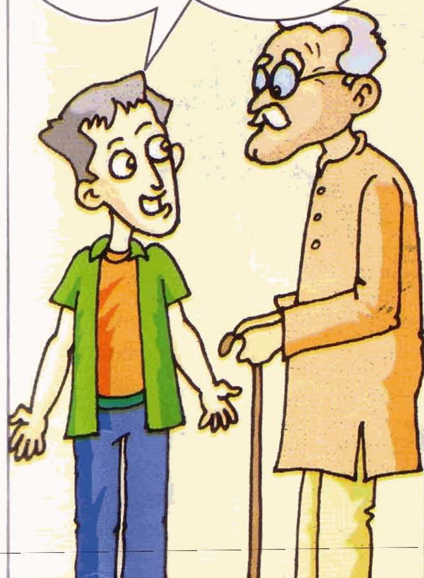


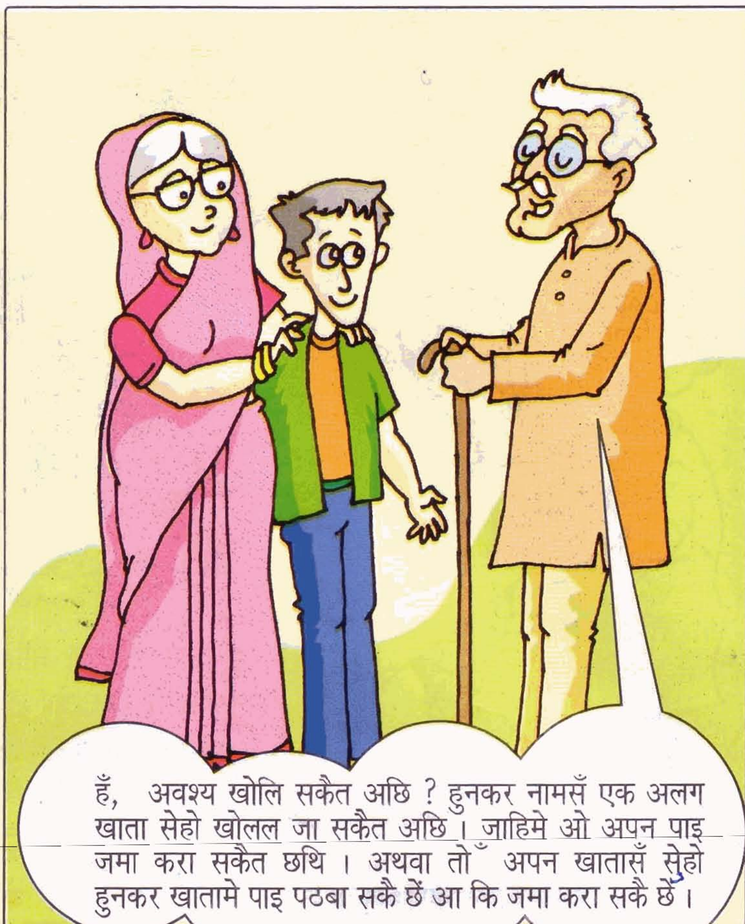
बैंकसँ ऋण ले आ' ओहि टाकासँ बीआ आ' खाद कीन। अपन बाड़ीमे फल आ' तरकारी उपजा। तकरा तोँ बजारमे बेचि आरो पाइ कमा सकैत छेँ।

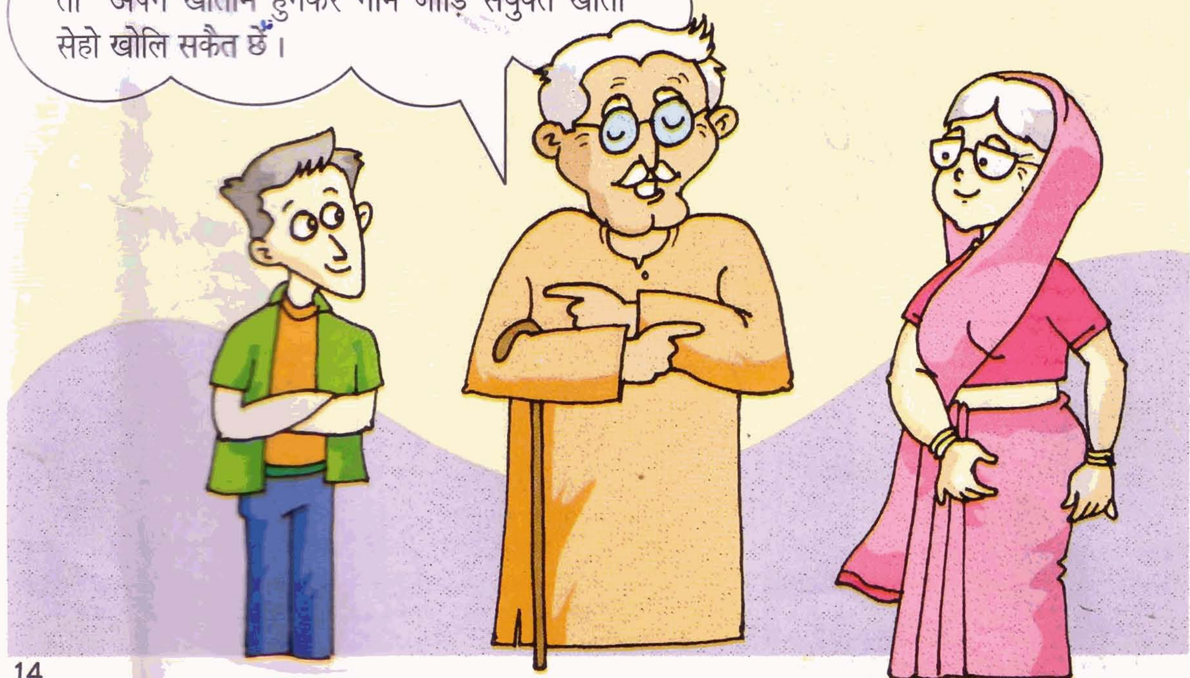
ओहि पाइसँ तोँ अपन ऋण चुकता कए सकैत छेँ........ आ' बाँचल पाइ अपन बैंक खातामे सुरक्षित राखि सकैत छेँ।






हमर मोनमे एकटा औरो शंका अछि । हमरा संग हमर माइ सेहो रहैत अछि । हम ओकरो लेल किछु पाइ राखय चाहै छी । की ओहो बैंकमे खाता खोलि सकैत अछि ?


हँ, अवश्य खोलि सकैत अछि ? हुनकर नामसँ एक अलग खाता सेहो खोलल जा सकैत अछि । जाहिमे ओ अपन पाइ जमा करा सकैत छथि । अथवा तोँ अपन खातासँ सेहो हुनकर खातामे पाइ पठबा सकै छेँ आ कि जमा करा सकै छेँ ।


तोँ अपन खातामे हुनकर नाम जोड़ि संयुक्त खाता सेहो खोलि सकैत छेँ ।

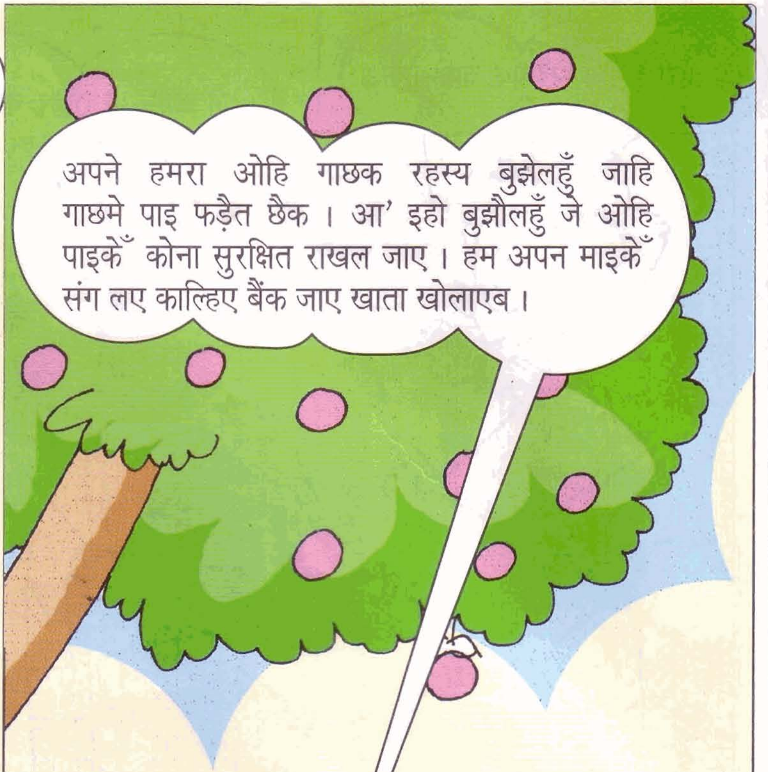

मुदा तोरा ई मोन रखबाक चाहियौक...


जे चाहे ओ तोहर वा तोहर माइक अलग खाता होउक कि संयुक्त खाता....


....तोरा एक टा एहन व्यक्तिक नाम देअए पड़तौक जकरा तोँ, अपन अथवा अपन माइ दूनू मे सँ ककरो दुर्घटना भए गेला पर अपन सभटा पाइ देबय चाहबें।


राधा
ओ व्यक्ति नामित (नोमिनी) होएत।


धन्य भगवानक जे ओहि दिन हमरा अपने सँ भेंट करा देलनि ।


अपने हमरा ओहि गाछक रहस्य बुझेलहुँ जाहि गाछमे पाइ फड़ैत छैक । आ' इहो बुझौलहुँ जे ओहि पाइकेँ कोना सुरक्षित राखल जाए । हम अपन माइकेँ संग लए काल्हिए बैंक जाए खाता खोलाएब ।



कथा - मनोज एवं शैलजा
चित्र - अनुपम शर्मा
मैथिली अनुवाद - डा. रमानन्द झा 'रमण'



भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

www.rbi.org.in/financialeducation

अस्वीकरण

सामान्य लोकक मौलिक जनतब आ' दिशा निर्देशक लेल भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वित्तीय शिक्षाक उद्देश्यसँ ई प्रयास कएल गेल अछि । पाठकसँ अनुरोध जे एहि कॉमिककेँ पढ़ि कए व्यवहारमे अनबाक समय स्वविवेकसँ काज लेथि ।

Punam # 0 98350 59350